



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 499]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 20, 2005/वैशाख 30, 1927

No. 499]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 20, 2005/VAISAKHA 30, 1927

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 20 मई, 2005

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, मुंबई

बीएसई (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005 के मामले में प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4ख(7) के साथ पठित धारा 4ख(6) के अधीन आदेश

का.आ. 684(अ).— 1.0 बीएसई ('द स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई' के रूप में भी ज्ञात) व्यक्तियों का संगम है और मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज है जिसके कारबार का मुख्य स्थान फिरोज जीजीभाई टॉवर्स, दलाल स्ट्रीट, फोर्ट, मुंबई 400 001 में स्थित है। इसका प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 [इसमें इसके पश्चात् प्रसं(वि)अ के रूप में निर्दिष्ट] के अधीन निगमीकृत और अपरस्परीकृत होना अपेक्षित है।

1.1

बीएसई ने, अपने तारीख 9 मार्च 2005 के पत्र द्वारा, प्रसं(वि)अ की धारा 4ख की उप-धारा (1) के निबंधनों के अनुसार भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् "भाप्रविबो" के रूप में निर्दिष्ट) को अनुमोदन के लिए इसके निगमीकरण और अपरस्परीकरण के लिए स्कीम प्रस्तुत की है। भाप्रविबो ने जाँच की और बीएसई के अधिकारियों और बीएसई के दलालों के फोरम के साथ बैठकों के माध्यम से और जानकारी अभिप्राप्त की। तारीख 23 मार्च 2005 के पत्र द्वारा, भाप्रविबो ने उक्त स्कीम

पर अपने संप्रेक्षण बीएसई को संसूचित किये और उक्त संप्रेक्षणों पर विचार करने के पश्चात् इसे स्कीम को पुनः प्रस्तुत करने की सलाह दी।

1.2

भाप्रविबो ने बीएसई से और पूछताछ की और 24 मार्च तथा 27 मार्च 2005 को इसके अधिकारियों के साथ बैठकों के माध्यम से अपने संप्रेक्षण बीएसई को स्पष्ट किये। बीएसई ने, तारीख 30 मार्च 2005 के अपने पत्र द्वारा, संशोधित स्कीम प्रस्तुत की। यह देखा गया कि हालाँकि इस स्कीम में अन्य बातों के साथ, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के रूप में प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या में व्यौहार करने के कारबार में सहायता देने, को विनियमित करने या को नियंत्रित करने के और सदस्यों के व्यापारिक अधिकारों से स्वामित्व तथा प्रबंधन का पृथक्करण करने के प्रयोजन के लिए 'बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड' के नाम और अभिनाम के अधीन कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन निगमित होनेवाली कंपनी द्वारा बीएसई, व्यक्तियों का संगम होते हुए, के उत्तराधिकार का उपबंध था, इसमें बीएसई के निगमीकरण और अपरस्पर्ीकरण के प्रयोजन के लिए और के संबंध में अपेक्षित कतिपय मामलों का उपबंध नहीं था भाप्रविबो द्वारा इसके तारीख 23 मार्च 2005 के पत्र में यथा संप्रेक्षित। भाप्रविबो द्वारा किये गये संप्रेक्षणों में निम्नलिखित सम्मिलित था:

क. मताधिकार : शेयरधारक, जो व्यापारिक सदस्य भी है, साथ ही उसके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों के मताधिकार, 5% तक निर्बंधित हो सकेंगे।

ख. व्यापारिक सदस्य : केवल वे सदस्य, जो भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के अधीन भाप्रविबो के पास रजिस्ट्रीकृत हैं अपरस्पर्ीकृत स्टॉक एक्सचेंज के व्यापारिक सदस्य हो सकेंगे।

ग. बोर्ड की संरचना : शासी बोर्ड, नियत तारीख को या के पश्चात्, समय-समय पर प्रवृत्त बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के संगम अनुच्छेद के उपबंधों के अनुसार गठित किया जा सकेगा, परंतु यह कि -

- (i) व्यापारिक सदस्यों का प्रतिनिधित्व कुल संख्या के एक चौथाई से अधिक न हो और शेष निदेशक ऐसी रीति से नियुक्त हों, जो भाप्रविबो द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाए, और

(ii) मुख्य कार्यपालक, चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाए, पदेन निदेशक हो, और

(iii) भाप्रविबो के पास शासी बोर्ड में कितने भी निदेशक नामनिर्दिष्ट करने का अधिकार होगा, जब कभी ठीक समझे, शासी बोर्ड के आकार का विचार किये बिना।

घ. आस्तियों और आरक्षितियों का उपयोग : बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड प्रसं(वि)अ की धारा 4ख(3) के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं कर सकेगा। यह इसको अंतरित बीएसई की आस्तियों (चालू आस्तियों से भिन्न) या ऐसी आस्तियों के व्ययन से आगमों या ऐसी आस्तियों के व्ययन की आगमों से अर्जित आस्तियों के उत्तरवर्ती रूपों के व्ययन से आगमों का उपयोग स्टॉक एक्सचेंज के कारबार प्रचालनों से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए नहीं कर सकेगा।

ङ. एकरूप मानक : किसी व्यक्ति को एक्सचेंज के व्यापारिक सदस्य के रूप में सम्मिलित करने के लिए या उसके अभ्यर्पण का प्रतिग्रहण करने के लिए एकरूप मानकों का अनुसरण किया जा सकेगा।

1.3 इसलिए, तारीख 15 अप्रैल 2005 के पत्र द्वारा, भाप्रविबो ने बीएसई को भाप्रविबो द्वारा किये गये संप्रेक्षणों के अनुरूप स्कीम प्रस्तुत करने की सलाह दी थी। भाप्रविबो ने और पूछताछ की और 26, 27 और 28 अप्रैल 2005 को बैठकों के माध्यम से बीएसई को संप्रेक्षण स्पष्ट किये। बीएसई ने इसके तारीख 2 मई 2005 के पत्र द्वारा अंततः संशोधित स्कीम (इसमें इसके पश्चात् 'स्कीम' के रूप में निर्दिष्ट) प्रस्तुत की।

2.0 **भाप्रविबो के संप्रेक्षणों पर बीएसई के निवेदन**

2.1 **मताधिकार :** 4 मई 2005 के पत्र सं. बीएसई/ईडी/084/05 द्वारा, बीएसई ने निवेदन किया है कि मताधिकारों पर निर्बंधन कंपनी अधिनियम की धारा 4क के अधीन यथापरिभाषित लोक वित्तीय संस्थाओं पर लागू नहीं होने चाहिए, या अन्यथा वे विनिवेश में सहभागिता के योग्य नहीं होंगे क्योंकि आम तौर पर उनके समनुषंगी होते हैं जो दलाल होते हैं। पश्चात्वर्ती तारीख को "सामान्य मति से कार्य करनेवाले व्यक्तियों" पद के निर्वचन से संबंधित किन्हीं समस्याओं से बचना और एक्सचेंज की इक्विटी में स्ट्रेटेजिक स्टेट अर्जित करने के लिए अग्रणी लोक वित्तीय संस्थाओं को

सुकर बनाना आवश्यक है।

2.2 व्यापारिक सदस्य : कुछ सदस्य भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के अधीन भाप्रविबो के पास रजिस्ट्रीकृत नहीं हैं, किंतु ऐसा होने पर भी वे निगमीकरण और अपरस्परीकरण होने पर व्यापारिक सदस्य बन जायेंगे। तथापि, भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) नियम, 1992 के नियम 3 के अनुसार, ऐसे सदस्य प्रतिभूतियों को खरीदने, बेचने या में अन्यथा व्यौहार करने के योग्य नहीं होंगे जब तक कि वे भाप्रविबो के पास रजिस्ट्रीकृत नहीं हो जाते। इसलिए, व्यापारिक सदस्य स्टॉक दलाल अथवा एक्सचेंज के किसी खंड का व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य होना चाहिए।

2.3 बोर्ड की संरचना : बीएसई की स्कीम में उपबंध सम्मिलित नहीं थे : (i) शेष निदेशकों की नियुक्ति ऐसी रीति में की जाती है जो भाप्रविबो द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाए, और (ii) भाप्रविबो के पास शासी बोर्ड में कितने भी निदेशक नामनिर्दिष्ट करने का अधिकार होगा, जब कभी ठीक समझे, शासी बोर्ड के आकार का विचार किये बिना। इस संबंध में बीएसई ने निवेदन किया है कि शेष निदेशकों की नियुक्ति की रीति का उपबंध अनुच्छेदों में होगा। बीएसई तथा अन्य एक्सचेंजों के नियमों में शासी बोर्ड में भाप्रविबो के नामनिर्देशितों की संख्या का उपबंध है।

2.4 आस्तियों और आरक्षितियों का उपयोग : बीएसई ने निवेदन किया है कि इस संप्रेक्षण का तात्पर्य स्पष्ट नहीं है और इससे एक्सचेंज पर निर्बंधन अधिरोपित करना प्रतीत होता है जो प्रसं(वि)अ के अधीन अपेक्षित नहीं है न ही अन्यथा न्यायानुमत है। स्कीम में प्रसं(वि)अ की धारा 4ख(3) में प्रतिषिद्ध किन्हीं मामलों का उपबंध नहीं है।

2.5 एकरूप मानक : बीएसई ने भाप्रविबो के संप्रेक्षण को स्वीकार कर लिया है। तथापि, इसने उपांतरित खंड का सुझाव दिया है जो विद्यमान सदस्यों के प्रति स्थायी अधिमानी व्यवहार प्रतीत होता है, जैसा कि वे अब तक करते आये हैं।

3.0 स्कीम का विचार और बीएसई के निवेदन

बीएसई की स्कीम, इसके द्वारा प्रस्तुत जानकारी और बीएसई के अन्य निवेदनों पर विचार कर लिया गया है। यह नोट किया है कि स्कीम में इसके निगमीकरण और

अपरस्परीकरण के लिए और के संबंध में अपेक्षित अधिकांश मामलों का उपबंध है। बीएसई के निवेदनों की बाबत निष्कर्ष निम्नानुसार है :

3.1 मताधिकार

प्रसं(वि) अ की धारा 4ख (6) में उपबंध है कि भाप्रविबो, अन्य बातों के साथ, उन शेयरधारकों के मताधिकारों को निर्बंधित कर सकेगा जो मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों के स्टॉक दलाल भी हैं। प्रसं(वि)अ में मताधिकारों के संबंध में उन शेयरधारकों में जो स्टॉक दलाल हैं भिन्नात्मक व्यवहार का उपबंध नहीं है।

3.2 व्यापारिक सदस्य

बीएसई के सदस्यों में, जिनके पास भाप्रविबो से रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र नहीं है, वे व्यक्ति सम्मिलित हो सकेंगे जो भाप्रविबो (उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति के लिए मानदंड) विनियम, 2004 के साथ पठित भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप दलाल) विनियम, 1992 के अधीन रजिस्ट्रीकृत होने के लिए 'उपयुक्त तथा उचित' नहीं हैं या जिनका रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र भाप्रविबो द्वारा रद्द किया गया है या वे जो अपरस्परीकृत स्टॉक एक्सचेंज में व्यापार के इच्छुक नहीं हैं। एक्सचेंज में व्यापारिक सदस्यों के तौर पर और उसके फलस्वरूप, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के शासी बोर्ड में व्यापारिक सदस्यों के प्रतिनिधियों के तौर पर ऐसे अरजिस्ट्रीकृत व्यक्तियों का होना वांछनीय नहीं है। यदि ऐसे व्यक्ति व्यापारिक सदस्य बनना चाहते हैं तो उनके पास भाप्रविबो का रजिस्ट्रीकरण होना चाहिए।

तथापि, बीएसई के निवेदन पर विचार करते हुए, ऐसे सदस्य नियत तारीख से 3 मास के भीतर, भाप्रविबो से रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त कर सकेंगे। इसलिए, स्कीम में उपयुक्त उपबंध किया गया है।

3.3 बोर्ड की संरचना

निगमीकृत और अपरस्परीकृत स्टॉक एक्सचेंज दोहरी हैसियत में कार्य करेगा अर्थात् स्व विनियामक संगठन और लाभ कमानेवाली कंपनी के तौर पर। ऐसे मामले में, हितविरोध, जिससे कि प्रसं(वि) अ में यथानिर्दिष्ट निगमीकरण और अपरस्परीकरण

1559 GI/05-2

बचना चाहता है, हो सकता है। इसलिए, अपरस्पर्ीकृत स्टॉक एक्सचेंज को प्रभावी रूप से विनियमित करने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, स्टॉक एक्सचेंज संविधान के अनुच्छेद 12 के अधीन स्टेट है और इस प्रकार रिट अधिकारिता के अधीन है। इसलिए, भाप्रविबो के लिए स्टॉक एक्सचेंजों में शासन के उच्चतम स्तर बनाये रखना आवश्यक है। स्कीम में भाप्रविबो की विनियामक शक्तियों का विशेष संदर्भ अंतर्विष्ट होना चाहिए और भाप्रविबो के पास, व्यापार के हित में और लोक हित में, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के नियमों को, जिनमें शासी बोर्ड के गठन तथा शक्तियों के नियम भी सम्मिलित हैं, बनाने या में संशोधन करने के लिए स्कीम में अंतर्निहित स्पष्ट शक्तियाँ होनी चाहिए। इसलिए, निदेशकों को नियुक्त या नामनिर्दिष्ट करने की भाप्रविबो की शक्तियाँ प्रतिधारित करने के लिए बोर्ड की संरचना से संबंधित खंड को उपांतरित किया जाना अपेक्षित है। तदनुसार स्कीम में उपयुक्त उपबंध किया गया है।

3.4

आस्तियों और आरक्षितियों का उपयोग

प्रसं(वि) अ की धारा 4ख (3) की भावना है कि एक्सचेंज की आस्तियों और आरक्षितियों का उपयोग किसी भी समय पर व्यापारिक सदस्यों के फायदे या समृद्धि के लिए नहीं किया जाना चाहिए और इसका उपयोग केवल एक्सचेंज के प्रचालनों के लिए किया जाना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना है कि सार्वजनिक प्रणाली के समर्थन से निर्मित आस्तियों और आरक्षितियों का उपयोग केवल सार्वजनिक प्रयोजन के लिए किया जाता है और यह कि एक्सचेंज एक्सचेंज के तौर पर जारी रहता है। ऐसी आस्तियों और आरक्षितियों का उपयोग किसी विशिष्ट वर्ग, उदाहरणार्थ एक्सचेंज के शेयरधारक / स्टॉक दलाल, के फायदे या समृद्धि के लिए भी नहीं किया जाना चाहिए। इसलिए, यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि पूर्व एक्सचेंज से अंतरित विद्यमान आस्तियों और आरक्षितियों का उपयोग केवल एक्सचेंज के प्रचालनों के लिए किया जाता है। शेयरधारकों / व्यापारिक सदस्यों के पास अपरस्पर्ीकृत एक्सचेंज से उत्तराधिकार में प्राप्त आस्तियों को लेने का कोई विकल्प नहीं होना चाहिए। केवल एक्सचेंज प्रचालनों के लिए आस्तियों और आरक्षितियों के उपयोग की अपेक्षा विनिवेश / आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव की प्रक्रिया के दौरान नये निवेशकों को आवश्यक सुविधा देगी। इससे प्रबंधन में अनुशासन आयेगा। इसके अतिरिक्त, ऐसे उपबंध से यह सुनिश्चित होगा कि स्टॉक एक्सचेंज के स्व विनियामक संगठन और साथ ही लाभ कमानेवाली कंपनी के तौर पर भी अपने कर्तव्य का पालन कर रहा

है। इसलिए, यह महसूस किया गया कि ऐसा व्यापार के हित में और लोक हित में है कि बीएसई की आस्तियों और आरक्षितियों (चालू आस्तियों से भिन्न) का उपयोग अपरस्पर्शीकृत एक्सचेंज द्वारा केवल एक्सचेंज प्रचालनों के लिए ही किया जाता है। इसलिए, स्कीम में उपयुक्त उपबंध किया गया है।

3.5

एकरूप मानक

अपरस्पर्शीकरण से स्वामित्व अधिकार और व्यापारिक अधिकार की सदस्यता का पृथक्करण अभिप्रेत है। सदस्य अपरस्पर्शीकृत एक्सचेंज के शेयरधारक बन जायेंगे और व्यापारिक सदस्य भी बन सकेंगे। इन शेयरधारकों जो व्यापारिक सदस्य भी हैं के व्यापारिक अधिकार किसी अन्य व्यापारिक सदस्य के व्यापारिक अधिकारों के समकक्ष होने चाहिए। निगमीकरण और अपरस्पर्शीकरण के पश्चात्, समरूप अधिकारों और विशेषाधिकारों वाले व्यापारिक सदस्यों का केवल एक वर्ग ही होगा। विद्यमान सदस्यों को जो व्यापारिक सदस्य बन जाते हैं दिये गये अतिरिक्त विशेषाधिकारों से ऐसे सदस्यों के व्यापारिक अधिकारों का मूल्य सृजित हो जायेगा। इसलिए, किसी व्यक्ति को व्यापारिक सदस्य के तौर पर सम्मिलित करते समय या उसका अभ्यर्पण स्वीकार करते समय पूंजी पर्याप्तता, निक्षेपों, फीस इत्यादि के संबंध में एकरूप मानकों का अनुसरण किया जाना चाहिए। तथापि, सभी सदस्यों के पास समरूप अधिकार और विशेषाधिकार होने अनिवार्य हैं, बीएसई के निवेदनों को ध्यान में रखते हुए और सुचारु अभिवहन को सुकर बनाने के सीमित प्रयोजन के लिए, भाप्रविबो के पूर्विक अनुमोदन से विद्यमान सदस्यों को अतिरिक्त विशेषाधिकार अनुमत करने के लिए स्कीम को उपांतरित किया गया है।

3.6

बीएसई ने उपबंध किया है कि बीएसई के समाशोधन गृह के कर्तव्यों और कृत्यों का समाशोधन निगम को अंतरण किये जाने पर, बीएसई के सभी सदस्यों को समाशोधन निगम के समाशोधन सदस्य के तौर पर सम्मिलित किया जाना चाहिए, ताकि सदस्य उसी रीति में व्यापारों का समाशोधन करने में समर्थ हो सकें जैसा कि उनके द्वारा वर्तमान में किया जा रहा है। यह महसूस किया गया कि ऐसे उपबंध के फलस्वरूप विद्यमान व्यापारिक सदस्य, स्वतः ही समाशोधन निगम के सदस्य बन जायेंगे, उनसे समाशोधन निगम की विहित अपेक्षाओं को अर्हित करने या की अनुपालना करने की अपेक्षा के बिना। समाशोधन निगम के अपने नियम होंगे जो उनकी मान्यता के समय भाप्रविबो द्वारा अनुमोदित किये जायेंगे। समाशोधन सदस्यों को अलग से समाशोधन

निगम के नियमों को अर्हित करना होगा और उनका अनुपालन करना होगा। इसलिए इस उपबंध को उपयुक्त रूप से संशोधित किया गया है।

4.0

उपर्युक्त के मद्देनजर, भाप्रविबो का समाधान हो गया है कि प्रसं(वि) अ, 1956 के उद्देश्य के अनुकूल ऊपर उल्लिखित अनुसार कतिपय उपांतरणों के साथ स्कीम का अनुमोदन करना व्यापार के हित में और लोक हित में भी होगा। तदनुसार, प्रसं(वि) अ की धारा 4ख (6) के निबंधनों के अनुसार निम्नलिखित शर्तों के साथ स्कीम को एतद्द्वारा अनुमोदित किया जाता है:

क मताधिकार: नियत तारीख से ही, किसी भी शेयर धारक के पास, जो व्यापारिक सदस्य है, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में मताधिकारों के 5% से अधिक मताधिकार (उसके द्वारा और उसके साथ सामान्य मति से कार्य करनेवाले व्यक्तियों द्वारा धारित मताधिकारों को एक साथ लिया गया) नहीं होंगे।

ख बोर्ड की संरचना : शासी बोर्ड, नियत तारीख को या के पश्चात्, का गठन समय समय पर प्रवृत्त बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के संगम अनुच्छेद के उपबंधों के अनुसार किया जायेगा, परंतु यह कि

- (i) व्यापारिक सदस्यों का प्रतिनिधित्व शासी बोर्ड की कुल संख्या के एक चौथाई से अधिक न हो, और शेष निदेशकों की नियुक्ति ऐसी रीति से हो जो भाप्रविबो द्वारा समय समय पर विनिर्दिष्ट की जाए, और
- (ii) मुख्य कार्यपालक, चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाए, पदेन निदेशक हो।

इस शर्त में अंतर्विष्ट कोई भी बात भाप्रविबो को शासी बोर्ड में निदेशकों को नामनिर्दिष्ट करने, जब कभी ठीक समझे, से प्रवारित नहीं करेगी।

4.1

अनुमोदित स्कीम उपाबंध क के रूप में संलग्न है।

5.0

अनुपालना और अनुश्रवण

बीएसई और बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, यथास्थिति, स्कीम में यथा विनिर्दिष्ट समय के भीतर स्कीम की अनुपालना सुनिश्चित करेगा और स्कीम के उपबंधों के

प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा और भाप्रविबो को अनुपालना की रिपोर्ट ऐसी रीति में प्रस्तुत करेगा जो भाप्रविबो द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।

- 6.0 भाप्रविबो के पास व्यापार के हितों में और लोक हित में और स्टॉक एक्सचेंज के निगमीकरण और अपरस्परीकरण के उद्देश्यों के अनुक्रम में स्कीम को संशोधित करने, परिवर्तित करने या उपांतरित करने का अधिकार आरक्षित है।
- 7.0 यह स्कीम राजपत्र में इसके प्रकाशन के दिन प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. भाप्रविबो/बाविबि/40967/2005]

एम. दामोदरन्, अध्यक्ष

उपाबंध क

बीएसई (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005

1. नाम और प्रारंभ

- 1.1 इस स्कीम को बीएसई (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005 (इसमें इसके पश्चात् "यह स्कीम" अथवा "इस स्कीम" के रूप में निर्दिष्ट) कहा जायेगा।
- 1.2 यह स्कीम प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4ख की उप-धारा (4) के अधीन इसके प्रकाशन पर प्रभावी होगी।
- 1.3 बीएसई इस स्कीम के अनुसार नियत तारीख से ही निगमीकृत और अपरस्परीकृत होगा जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4क के अधीन बीएसई की बाबत भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (भाप्रविबो) द्वारा अधिसूचित की जाये।

परंतु यह कि इस स्कीम के संबंधित खंडों में विनिर्दिष्ट क्रियाकलाप उन खंडों में विनिर्दिष्ट समय अनुसूची के अनुसार कार्यान्वित किये जायेंगे।

2. परिभाषाएँ

इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, -

- 2.1 "बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड" से इस स्कीम के खंड 3 के अनुसरण में निगमित कंपनी अभिप्रेत है मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के रूप में प्रतिभूतियों में क्रय, विक्रय या व्यौहार करने के कारबार में सहायता देने, को विनियमित करने या नियंत्रित करने के प्रयोजन के लिए और बीएसई पर उत्तरवर्ती होने के लिए।

- 2.2 "बीएसई" से स्टॉक एक्सचेंज अभिप्रेत है, जो "द स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई", व्यक्तियों का अनिगमित संगम जिसके कारबार का मुख्य स्थान फिरोज़ जीजीभाई टॉवर्स, दलाल स्ट्रीट, फोर्ट, मुंबई में स्थित है, के रूप में भी ज्ञात, जिसे तारीख 31 अगस्त 1957 की अधिसूचना सं. 17/2/56-एसई/ईएडी द्वारा और के अधीन प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा मान्यता दी गयी है, और जिसका नाम भाप्रविबो (सेबी) द्वारा इसके तारीख 10 जनवरी 2002 के पत्र सं. एसएमडी/एसईआईडी-1/बीएसई/592/02 द्वारा प्रदान किये गये अनुमोदन के अनुसरण में बदलकर बीएसई कर दिया गया है।
- 2.3 "नियत तारीख" से वह तारीख अभिप्रेत है, जो बीएसई के शासी बोर्ड द्वारा अवधारित की जाये, जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4ख की उप-धारा (7) के अधीन आदेश के प्रकाशन की तारीख से 3 मास के पश्चात् की नहीं होगी।
- 2.4 "प्रथम शेयरधारक" से पचास सदस्य अभिप्रेत हैं, बीएसई के शासी बोर्ड द्वारा चयनित, जो इसके निगमन के प्रयोजन के लिए बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद के प्रति अभिदाय करेंगे।
- 2.5 "शासी बोर्ड" से बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड का निदेशक बोर्ड अभिप्रेत है।
- 2.6 "सदस्य" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो नियमों के नियम 64, उप-विधियों और विनियम, 1957 के अधीन बीएसई द्वारा बनाये रखे गये सदस्यों के रजिस्टर के अनुसार बीएसई का सदस्य है और जिसके अंतर्गत बीएसई का सीमित व्यापार सदस्य नहीं आता है।
- 2.7 "रिकॉर्ड तारीख" से सदस्यों जो इस स्कीम के खंड 5 के अनुसरण में बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के शेयरों के प्रति हकदार हो जायेंगे का अवधारण करने के लिए बीएसई के शासी बोर्ड द्वारा निश्चित तारीख, नियत तारीख से पूर्व, अभिप्रेत है।
- 2.8 "नियम, उप-विधियाँ और विनियम, 1957" से नियत तारीख से पूर्ववर्ती दिन को बीएसई के नियम, उप-विधियाँ और विनियम, 1957 अभिप्रेत हैं।
- 2.9 "व्युत्पत्ती खंड के नियम, उप-विधियाँ और विनियम" से नियत तारीख से पूर्ववर्ती दिन को बीएसई के व्युत्पत्ती खंड के नियम, उप-विधियाँ और विनियम, 2000 अभिप्रेत हैं।
- 2.10 "बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के नियम, उप-विधियाँ और विनियम" से बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के संगम-ज्ञापन, संगम-अनुच्छेद और नियम, उप-विधियाँ तथा विनियम अभिप्रेत हैं जिनमें बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के किसी खंड के नियम, उप-विधियाँ और विनियम सम्मिलित हैं।

2.11 "शेयरधारक" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के किसी इक्विटी शेयर (शेयरों) को धारण करता है।

2.12 "व्यापारिक सदस्य" से बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के किसी खंड का स्टॉक दलाल या व्यापारिक सदस्य या समाशोधन सदस्य अभिप्रेत है और भाप्रविबो के पास यथा भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के अधीन रजिस्ट्रीकृत :

परंतु यह कि बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के पास समाशोधन सदस्य नहीं होंगे इसके पश्चात् कि समाशोधन कृत्य इस स्कीम के खंड 13.1 के अधीन मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम को अंतरित हो जाता है।

2.13 इस स्कीम में प्रयोग किये गये और अपरिभाषित किन्तु भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, निक्षेपागार अधिनियम, 1996, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956, कंपनी अधिनियम, 1956, इन अधिनियमों के अधीन बनाये गये नियमों और विनियमों, नियमों, उप-विधियों और विनियम, 1957 या व्युत्पन्नी खंड के नियमों, उप-विधियों और विनियमों में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो क्रमशः ऊपर उल्लिखित अधिनियमों, नियमों, उप-विधियों और विनियमों में उनके लिए नियत हैं।

3. बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड का निगमन

3.1 प्रथम शेयरधारक "बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड" के नाम और अभिनाम में कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 12 के अधीन शेयरों द्वारा परिसीमित पब्लिक कंपनी निगमित करेंगे।

3.2. प्रथम शेयरधारक, प्रत्येक, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के सममूल्य पर नकदी के लिए रु. 1/- प्रत्येक के अंकित मूल्य के 10,000 पूर्णतः समादत्त इक्विटी शेयरों के प्रति अभिदाय करेंगे और के लिए भुगतान करेंगे।

4. बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड का शासी बोर्ड

4.1 प्रथम शासी बोर्ड में बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के निगमन की तारीख को बीएसई के शासी बोर्ड के सदस्यों में से ऐसे समाविष्ट होंगे जो बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के संगम अनुच्छेद में प्रथम निदेशकों के रूप में नामित हैं, इस शर्त के अधीन कि सदस्यों के प्रतिनिधि शासी बोर्ड की कुल संख्या के एक-चौथाई से अधिक न हों।

4.2 प्रथम शासी बोर्ड नियत तारीख तक पद धारण कर सकेगा।

4.3 शासी बोर्ड, नियत तारीख को या के पश्चात्, समय-समय पर प्रवृत्त बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के संगम-अनुच्छेद के उपबंधों के अनुसार गठित किया जायेगा, परंतु यह कि -

- (i) व्यापारिक सदस्यों का प्रतिनिधित्व शासी बोर्ड की कुल संख्या के एक-चौथाई से अधिक न हो, और शेष निदेशकों की नियुक्ति ऐसी रीति से हो जो भाप्रविबो द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाये, और
- (ii) मुख्य कार्यपालक, चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाये, पदेन निदेशक हो ।

4.4 खंड 4.3 में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, भाप्रविबो शासी बोर्ड में निदेशक नामनिर्दिष्ट कर सकेगा जब कभी ठीक समझे ।

5. बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के शेयरों का आबंटन

- 5.1 रिकॉर्ड तारीख को प्रत्येक सदस्य या उसका नामनिर्देशिती, यथास्थिति, (प्रथम शेयरधारकों से भिन्न) बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के सम-मूल्य पर नकदी के लिए रु.1/- प्रत्येक के अंकित मूल्य के 10,000 पूर्णतः समादत्त इक्विटी शेयरों के प्रति हकदार होगा ।
- 5.2 रिकॉर्ड तारीख को प्रत्येक सदस्य या उसका नामनिर्देशिती, यथास्थिति, जिसके पास एक से अधिक सदस्यता कार्ड हो, उसके द्वारा धारित प्रत्येक अतिरिक्त सदस्यता कार्ड के लिए सम-मूल्य पर नकदी के लिए रु.1/- प्रत्येक के अंकित मूल्य के अतिरिक्त 10,000 पूर्णतः समादत्त इक्विटी शेयरों के प्रति हकदार होगा ।
- 5.3 बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड हकदार सदस्यों या उनके नामनिर्देशितों को इक्विटी शेयर आबंटित करेगा, यथास्थिति, नियत तारीख तक ।

परंतु यह कि बीएसई द्वारा निलंबित सदस्य को आबंटन आस्थगित रखा जायेगा जब तक निलंबन जारी रहता है ।

- 5.4 इस खंड के अनुसरण में बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के इक्विटी शेयरों के प्रति अभिदाय का आमंत्रण, और प्रस्ताव, निर्गमन और आबंटन जनता को आमंत्रण, प्रस्ताव, निर्गमन या आबंटन के रूप में नहीं माना जायेगा ।

6. बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के शेयरों की सूचीबद्धता

बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड किसी भी समय किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में इसकी प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कर सकेगा ।

7. बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को अंतरण

इस स्कीम के अनुसरण में, नियत तारीख से ही :

- 7.1 सभी आस्तियाँ, संपत्तियाँ, वचन, खंड (जिनमें व्युत्पन्नी खंड सम्मिलित हैं), कारबार, बहियाँ, अभिलेख, रजिस्टर, निधियाँ, आरक्षितियाँ, अधिकार (जिनमें, विशिष्टतया, बौद्धिक संपत्ति अधिकार, पट्टाधृत अधिकार, अभिधारण अधिकार यदि कोई हों और पूर्वतर सदस्यों के नामनिर्देशन के सभी अधिकार सम्मिलित हैं जो बीएसई में निहित हैं), शक्तियाँ, प्राधिकार, हित, विशेषाधिकार, छूटें, अनुज्ञाएँ, अनुज्ञापितियाँ, रजिस्ट्रीकरण और मान्यताएँ (जिनमें, विशिष्टतया, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 के अधीन मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के रूप में बीएसई की मान्यता सम्मिलित है), बीएसई के या से संबंधित या के कब्जे या नियंत्रण में या जिसके प्रति बीएसई हकदार हो जाये, जिनमें वे सम्मिलित हैं जो बीएसई के लिए न्यास में किन्हीं न्यासियों द्वारा धारित हों अथवा बीएसई के सदस्यों या सीमित व्यापार सदस्यों और बीएसई के व्युत्पन्नी खंड के व्यापारिक सदस्यों और/या समाशोधन सदस्यों के लिए अथवा बीएसई के उद्देश्यों तथा प्रयोजनों के लिए, और जिनमें वे सम्मिलित हैं जो बीएसई की किसी समिति में निहित या द्वारा धारित हैं, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को अंतरित हो जायेंगे और में निहित हो जायेंगे और के कब्जे या नियंत्रण में हो जायेंगे और की हकदारी बन जायेंगे, और बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के पास उसमें या उसका वही अधिकार, हक और हित होगा जैसा बीएसई और ऐसे न्यासियों या समितियों के पास नियत तारीख से ठीक पहले था।
- 7.2 बीएसई की सभी बाध्यताएँ और दायित्व बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को अंतरित हो जायेंगे और के बाध्यताएँ और दायित्व बन जायेंगे।
- 7.3 बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, बीएसई के स्थान और जगह में, सभी संविदाओं, करारों और अन्य लिखतों में पक्षकार बन जायेगा, और द्वारा आबद्ध हो जायेगा और के प्रति हकदार हो जायेगा जिनके प्रति बीएसई पक्षकार है या जिनके द्वारा बीएसई आबद्ध है या जिनके प्रति बीएसई हकदार है, और तदनुसार बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड द्वारा या के खिलाफ उसे प्रवृत्त किया जा सकेगा और उस पर कार्रवाई की जा सकेगी।
- 7.4 बीएसई की, द्वारा या के खिलाफ सभी सूचनाओं, कार्रवाइयों, दावों और कार्यवाहियों (जिनमें सभी विधिक, अर्ध-विधिक, राजस्व, अनुशासनिक और माध्यस्थम् सूचनाएँ, कार्रवाइयाँ और कार्यवाहियाँ सम्मिलित हैं और जिनमें बीएसई द्वारा बीएसई के सदस्यों

1559 62/05-4

या सीमित व्यापार सदस्यों या व्यापारिक सदस्यों और/या बीएसई के व्युत्पन्नी खंड के समाशोधन सदस्यों, किन्हीं कंपनियों तथा अन्यो के प्रति या के खिलाफ अनुशासनिक, निलंबन, व्यतिक्रम, असूचीबद्धता तथा अन्य सूचनाएँ, कार्रवाइयाँ एवं कार्यवाहियाँ भी सम्मिलित हैं) का उपशमन नहीं होगा और बीएसई के स्थान और जगह में बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड द्वारा या के खिलाफ की गई हुई, संस्थित या जारी समझी जायेंगी।

- 7.5 बीएसई के कर्मचारी बीएसई के स्थान और जगह में उन्हीं निबंधनों और शर्तों पर बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के कर्मचारी बन जायेंगे जैसी नियत तारीख के ठीक पहले विद्यमान थीं।
- 7.6 बीएसई के शासी बोर्ड द्वारा जारी सूचनाएँ तथा परिपत्र और किये गये कार्य, जब तक कि ऐसी सूचनाएँ और परिपत्र शासी बोर्ड द्वारा उपांतरित या विखंडित नहीं हो जाते, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के संबंध में अस्तित्व में बने रहेंगे और शासी बोर्ड द्वारा जारी हुए और किये गये समझे जायेंगे।
- 7.7 बीएसई के शासी बोर्ड या सदस्यों के साधारण निकाय द्वारा पारित सभी संकल्प और किये गये कार्य, जब तक कि बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के शासी बोर्ड या शेयरधारकों के साधारण निकाय, यथास्थिति, द्वारा उपांतरित या विखंडित नहीं हो जाते, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के संबंध में अस्तित्व में बने रहेंगे और बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के शासी बोर्ड या शेयरधारकों के साधारण निकाय, यथास्थिति, द्वारा पारित हुए और किये गये हुए समझे जायेंगे।

8. व्यापारिक अधिकार

- 8.1 बीएसई का सदस्य या सीमित व्यापार सदस्य, जो नियत तारीख से पूर्ववर्ती दिन को स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत है नियत तारीख को बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के नकदी खंड में व्यापारिक सदस्य होगा ;
- 8.2 सदस्य जो नियत तारीख के पूर्ववर्ती दिन को स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत नहीं है नियत तारीख से 3 मास के भीतर भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के अधीन स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने पर बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के नकदी खंड का व्यापारिक सदस्य बन जायेगा।
- 8.3 नियत तारीख से पूर्ववर्ती दिन को बीएसई के व्युत्पन्नी खंड का व्यापारिक सदस्य और/या समाशोधन सदस्य बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के व्युत्पन्नी खंड का व्यापारिक सदस्य और/या समाशोधन सदस्य नियत तारीख को बन जायेगा।

8.4 नियत तारीख के पश्चात्, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के किसी खंड का व्यापारिक सदस्य बनने की वांछा रखनेवाले व्यक्ति को सम्मिलित कर लिया जायेगा यदि वह बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के नियमों, उप-विधियों और विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करता है और विनिर्दिष्ट फीस और निक्षेप लाता है ।

8.5 बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, खंड के व्यापारिक सदस्य के रूप में किसी व्यक्ति को सम्मिलित करने के प्रयोजन के लिए, पूँजी पर्याप्तता, निक्षेप, फीस आदि के निबंधनों के अनुसार एकरूप मानकों का अनुसरण करेगा उस व्यक्ति द्वारा व्यापारिक अधिकार के अर्जन की रीति का विचार किए बिना :

परंतु यह कि व्यापारिक सदस्य जिसने पारेषण के रूप में व्यापारिक अधिकार अर्जित किया हो के रूप में व्यक्ति को सम्मिलित करने के लिए विभिन्न मानकों का अनुसरण किया जा सकेगा ।

परंतु यह और कि विभिन्न खंडों में व्यापारिक सदस्यों को सम्मिलित करने के लिए विभिन्न मानकों का अनुसरण किया जा सकेगा ।

8.6 व्यापारिक सदस्य बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के किसी खंड की अपनी सदस्यता का अभ्यर्पण बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के नियमों, उप-विधियों और विनियमों में विनिर्दिष्ट रीति से कर सकेगा ।

8.7 बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के नकदी खंड के व्यापारिक सदस्य और बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के व्युत्पन्नी खंड के समाशोधन सदस्य व्यापारों का क्रमशः समाशोधन और निपटान करेंगे जब तक समाशोधन और निपटान कृत्य इस स्कीम के खंड 13.1 के अधीन मान्यताप्राप्त समाशोधन निगम में अंतरित नहीं हो जाता है ।

8.8 व्यापारिक अधिकार के अर्जन की तारीख या रीति का विचार किए बिना, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के खंड में व्यापारिक सदस्यों के पास एकरूप अधिकार और विशेषाधिकार होंगे ।

परंतु यह कि बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, भाप्रविबो के पूर्व अनुमोदन से, उन व्यापारिक सदस्यों को अतिरिक्त विशेषाधिकार प्रदान कर सकेगा जो नियत तारीख से पूर्ववर्ती दिन को सदस्य थे ।

8.9 नियत तारीख को बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के व्यापारिक सदस्यों के पास उनके ग्राहकों और घटकों और अन्य सदस्यों की बाबत वही अधिकार और विशेषाधिकार बने

रहेंगे, किसी कृत्य, लोप या संविदा या विधि, अधिसूचना, आदेश, निदेश, आदि से उद्भूत या के अधीन, जो कि नियत तारीख को या से पूर्व बीएसई के सदस्य या सीमित व्यापार सदस्य या बीएसई के व्युत्पन्नी खंड के व्यापारिक सदस्य और/या समाशोधन सदस्य होते हुए उनको प्रोद्भूत होते ।

- 8.10 बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के व्यापारिक सदस्य उनके ग्राहकों और घटकों, भाप्रविबो, बीएसई और अन्य प्राधिकरणों के प्रति सभी बाध्यताओं और दायित्वों द्वारा आबद्ध होंगे, किसी कृत्य, लोप या संविदा या विधि, अधिसूचना, आदेश, निदेश, आदि से उद्भूत या के अधीन, नियत तारीख को या से पूर्व बीएसई के सदस्य या सीमित व्यापार सदस्य या बीएसई के व्युत्पन्नी खंड के व्यापारिक सदस्य और/या समाशोधन सदस्य होते हुए ।

9. अपरस्परीकरण

- 9.1 व्यापारिक सदस्य शेयरधारक हो सकेगा या नहीं हो सकेगा ।
- 9.2 शेयरधारक व्यापारिक सदस्य हो सकेगा या नहीं हो सकेगा ।

10. मताधिकार

- 10.1 बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड सुनिश्चित करेगा कि इसके इक्विटी शेयरों का कम से कम 51% जनता द्वारा धारित है शेयरधारकों से भिन्न जिनके व्यापारिक अधिकार प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4ख की उप-धारा (8) में विहित रीति में और कालावधि के भीतर हैं ।
- 10.2 नियत तारीख से ही, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड सुनिश्चित करेगा कि जनता, व्यापारिक अधिकारों वाले शेयरधारकों से भिन्न, इक्विटी शेयरों का कम से कम 51% धारण करती है ।
- 10.3 नियत तारीख से ही, किसी भी शेयरधारक के पास, जो व्यापारिक सदस्य है, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में मताधिकारों के 5% से अधिक मताधिकार (उसके द्वारा और उसके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों द्वारा धारित मताधिकारों को एकसाथ लिया गया) नहीं होंगे ।

11. बीएसई का विघटन

नियत तारीख से ही :

- (i) बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड बीएसई के उत्तरवर्ती के रूप में कारबार और प्रचालनों के प्रति हकदार होगा, और को प्रारंभ करेगा ; और
- (ii) बीएसई विघटित हो जायेगा ।

12. बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के नियम, उप-विधियाँ और विनियम

- 12.1 नियत तारीख से पूर्ववर्ती दिन को नियम, उप-विधियाँ और विनियम, 1957 और बीएसई के व्युत्पन्नी खंड के नियम, उप-विधियाँ और विनियम, जब तक कि इस स्कीम के प्रतिकूल या से असंगत या द्वारा अपवर्जित न हों, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के प्रति नियत तारीख से ही लागू होंगे ।
- 12.2 बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड इस स्कीम के उपबंधों को "बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के नियमों, उप-विधियों और विनियमों" में समुचित रूप से नियत तारीख को या से पहले सम्मिलित करेगा ।
- 12.3 "बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के नियमों, उप-विधियों और विनियमों" में संशोधन लागू विधियों के अनुसार नियत तारीख के पश्चात् किया जा सकेगा, परंतु यह कि कोई ऐसा संशोधन इस स्कीम के किसी उपबंध से असंगत न हो ।

13. बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड का समाशोधन निगम

- 13.1 बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, नियत तारीख के एक वर्ष के भीतर, भाप्रविबो के पूर्विक अनुमोदन के अध्यक्षीन, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के समाशोधन गृह के कर्तव्य और कृत्य समाशोधन निगम को अंतरित करेगा, कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन निगमित और भाप्रविबो द्वारा प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 के अधीन समाशोधन निगम के रूप में मान्यताप्राप्त कंपनी होते हुए ।
- 13.2 जब तक समाशोधन गृह के कर्तव्य और कृत्य खंड 13.1 में उपबंधित रूप से अंतरित नहीं हो जाते, तब तक बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड में व्यापार के संबंध में समाशोधन और

निपटान कृत्य बीएसई द्वारा यथा प्रयुक्त समाशोधन और निपटान तंत्र द्वारा या ऐसी अन्य रीति में कार्यान्वित किये जायेंगे जो शासी बोर्ड अवधारित करे ।

14. आस्तियों और आरक्षितियों का उपयोग

14.1 बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4ख(3) के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा ।

14.2 14.1 में उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड इस स्कीम के खंड 7.1 के अधीन इसको अंतरित बीएसई की आस्तियों और आरक्षितियों (चालू आस्तियों से भिन्न) या ऐसी आस्तियों के व्ययन से आगमों या ऐसी आस्तियों के व्ययन की आगमों से अर्जित आस्तियों के उत्तरवर्ती रूपों के व्ययन से आगमों का प्रयोग स्टॉक एक्सचेंज के कारबार प्रचालनों से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए नहीं करेगा ।

15. स्कीम की अनुपालना

15.1 बीएसई और बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, यथास्थिति, सभी समयों पर इस स्कीम के उपबंधों की अनुपालना सुनिश्चित करेगा और इस स्कीम के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा ।

15.2 15.1 में उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, बीएसई और बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, यथास्थिति, खंडों 4.3, 8.4, 8.5, 8.6, 8.8, 10.2, 10.3 और 14 में उपबंधों का सतत रूप से अनुपालन करेगा ।

15.3 बीएसई और बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, यथास्थिति, इस स्कीम के उपबंधों की अनुपालना की रिपोर्ट ऐसी रीति में करेगा जो भाप्रविबो द्वारा समय-समय पर अपेक्षित की जाये ।

16. इस स्कीम के उपबंधों को शिथिल करने की शक्ति

यदि इस स्कीम के उपबंधों को प्रभावी करने में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो भाप्रविबो, बीएसई या बंबई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, यथास्थिति, के लिखित अनुरोध पर, इस स्कीम के उपबंधों में से किसी को शिथिल कर सकेगा ।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
NOTIFICATION**

Mumbai, the 20th May, 2005

Securities and Exchange Board of India, Mumbai

Order under Section 4B(6) read with Section 4B(7) of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956
in the matter of the BSE (Corporatisation and Demutualisation) Scheme, 2005

S.O. 684 (E).— 1.0 BSE (also known as 'The Stock Exchange, Mumbai') is an Association of Persons and a recognised stock exchange having its principal place of business at Phiroze Jeejeebhoy Towers, Dalal Street, Fort, Mumbai 400 001. It is required to be corporatised and demutualised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (hereinafter referred to as 'the SC(R)A').

- 1.1 BSE, vide its letter dated 9th March, 2005, submitted a Scheme for its corporatisation and demutualisation for approval to the Securities and Exchange Board of India (hereinafter referred to as 'SEBI') in terms of sub-section (1) of section 4B of the SC(R)A. SEBI made enquiries and obtained further information from BSE through meetings with the officials of BSE and the BSE Broker's Forum. Vide letter dated 23rd March 2005, SEBI communicated its observations on the said Scheme to BSE and advised it to resubmit the Scheme after considering the said observations.
- 1.2 SEBI made further enquiries from BSE and explained its observations to BSE through meetings with its officials on 24th March and 27th March

2005. BSE, vide its letter dated 30th March 2005, submitted a revised Scheme. It was noted that while this Scheme, inter alia, provided for the succession of BSE being an Association of Persons by a company to be incorporated under the Companies Act, 1956 under the name and style of the 'Bombay Stock Exchange Limited' for the purpose of assisting, regulating or controlling the business of buying, selling or dealing in securities as recognized stock exchange and segregation of ownership and management from the trading rights of the members, it did not provide for certain matters required for the purpose of and in connection with the corporatisation and demutualisation of BSE as observed by SEBI vide its letter dated 23rd March, 2005. The observations made by SEBI included the following:

- a. **Voting Rights:** The voting rights of a shareholder, who is also a trading member along with that of persons acting in concert with him, may be restricted to 5%.
- b. **Trading Members:** Only those members, who are registered with SEBI under the SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992 may be trading members of the demutualised stock exchange.
- c. **Board Composition:** The Governing Board, on or after due date, may be constituted in accordance with the provisions of the Articles of Association of Bombay Stock Exchange Limited in force from time to time, provided that -
 - i. the representation of trading members does not exceed 1/4th of the total strength and the remaining directors are appointed in the manner as may be specified by SEBI from time to time,
 - ii. the Chief Executive, by whatever name called, is an ex-officio director, and
 - iii. SEBI shall have the right to nominate as many directors on the Governing Board, as and when deemed fit, irrespective of the size of the Governing Board.

- d. Utilisation of Assets and Reserves:** Bombay Stock Exchange Limited may not do anything contrary to the provisions of section 4B (3) of the SC(R)A. It may not use the assets (other than current assets) of BSE transferred to it or the proceeds from disposal of such assets or the proceeds from disposal of successive species of assets acquired from the proceeds of disposal of such assets for any purpose other than the business operations of the stock exchange.
- e. Uniform Standards:** Uniform standards may be followed for admitting any person as a trading member of the exchange or accepting his surrender. All trading members may have similar rights and privileges.
- 1.3** Therefore, vide letter dated 15th April 2005, SEBI advised BSE to submit the Scheme in conformity with the observations made by SEBI. SEBI made further enquiries and explained the observations to BSE through the meetings on 26th, 27th and 28th April 2005. BSE finally submitted a revised Scheme (hereinafter referred to as 'the Scheme') vide its letter dated 2nd May 2005.
- 2.0 Submissions of BSE on the Observations of SEBI**
- 2.1 Voting Rights:** Vide letter No. BSE/ED/084/05 dated 4th May, 2005, BSE has submitted that the restriction on voting rights should not be applicable to Public Financial Institutions as defined under section 4A of the Companies Act, or otherwise they would not be able to participate in the disinvestment as they generally have subsidiaries which are brokers. This is necessary to avoid any problems pertaining to interpretation of the term "persons acting in concert" at a later date and to facilitate the leading Public Financial Institutions to acquire a strategic stake in the equity of the exchange.

1559 G1/05-6

2.2 Trading Members: A few Members are not registered with SEBI under the SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992, but will nevertheless become trading members on corporatisation and demutualisation. However, in accordance with Rule 3 of the SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) Rules, 1992, such Members would not be able to buy, sell or otherwise deal in securities until they are registered with SEBI. Therefore, the trading members should be a stock broker or a trading member or clearing member of any segment of the exchange.

2.3 Board Composition: BSE Scheme did not include the provisions: (i) the remaining directors are appointed in the manner as may be specified by SEBI from time to time, and (ii) SEBI shall have the right to nominate as many directors on the Governing Board, as and when deemed fit, irrespective of the size of the Governing Board. In this regard BSE has submitted that the manner of appointment of remaining directors will be provided in the Articles. The rules of BSE and other Exchanges provide for the number of SEBI nominees on Governing Board.

2.4 Utilisation of Assets and Reserves: BSE has submitted that the purport of this observation is not clear and it appears to impose restrictions on the exchange which are not required under the SC(R)A nor is otherwise justified. The Scheme does not provide for any of the matters prohibited in section 4B (3) of the SC(R)A.

2.5 Uniform Standards: BSE has accepted the observation of SEBI. However, it has suggested modified clause which appears to give perpetual preferential treatment to the existing members, as they used to have so far.

3.0 Consideration of the Scheme and the Submissions of BSE

The Scheme of BSE, the information submitted by it and the other submissions of BSE have been considered. It is noted that the Scheme provides for most of the matters required for and in connection with its corporatisation and demutualisation. The findings in respect of the submissions of BSE are as follows -

3.1 Voting Rights: Section 4B (6) of the SC(R)A provides that SEBI may, inter alia, restrict the voting rights of the shareholders who are also stock brokers of the recognized stock exchange. SC(R)A does not provide for differential treatment amongst the shareholders who are stock brokers with respect to voting rights.

3.2 Trading Members: The members of BSE, who do not have certificate of registration from SEBI, may include the persons who are not 'fit and proper' to be registered under the SEBI (Stock Brokers and Sub Brokers) Regulations, 1992 read with SEBI (Criteria for Fit and Proper Person) Regulations, 2004 or whose certificate of registration has been cancelled by SEBI or those who are not interested to trade on the demutualised stock exchange. It is not desirable to have such unregistered persons as trading members in an exchange and by virtue of the same, as representatives of trading members on the Governing Board of Bombay Stock Exchange Limited. If such persons wish to be trading members, they should have SEBI registration.

However, taking into consideration the submission of BSE, such members may, within 3 months from the due date, obtain SEBI registration. Therefore, a suitable provision has been made in the Scheme.

3.3 Board Composition: The corporatised and demutualised stock exchange will be functioning in a dual capacity i.e. as a Self Regulatory Organization and a profit-making company. In such a case, the conflict of interest, which corporatisation and demutualisation as enshrined in the SC(R)A intends to avoid, may creep in. Therefore, demutualised stock exchange needs to be effectively regulated. Further, a Stock Exchange is a State under Article 12 of the Constitution and hence amenable to writ jurisdiction. Therefore, it is necessary for SEBI to ensure the highest standards of governance in stock exchanges. The Scheme should contain a specific reference to regulatory powers of SEBI and SEBI should, in the interest of trade and public interest, have express powers in-built in the Scheme to make or amend the rules of the Bombay Stock Exchange Limited including that of the constitution and powers of the Governing Board. Hence, the clause relating to Board composition is required to be modified to retain the powers of SEBI to appoint or nominate directors as and when deemed fit. A suitable provision has been made in the Scheme accordingly.

3.4 Utilisation of Assets and Reserves: It is the spirit of section 4B (3) of SC(R)A that the assets and reserves of the exchange should not be used for the benefit or enrichment of the trading members at any point of time and should be used only for exchange operations. This is to ensure that the assets and reserves built from the support of the public system are used only for public purpose and that the Exchange continues to operate as an exchange. Such assets and reserves should also not be used for the benefit or enrichment of any particular section, for example the shareholders / stock brokers of the exchange. It is, therefore, imperative to ensure that the existing assets and reserves transferred from the erstwhile exchange are utilised only for the operations of the exchange. The shareholders / trading members should not have option to take away the

assets and reserves inherited by the demutualised exchange. The requirement of use of assets and reserves only for exchange operations would give the necessary comfort to the new investors during the process of disinvestment / initial public offer. This would bring discipline in the management. Further, such provision would ensure the functioning of the stock exchange in performing its duty as a self-regulatory organization as well as a for-profit company. Hence, it is felt that it is in the interest of trade and in the public interest that the assets and reserves (other than current assets) of BSE are used by the demutualised exchange only for exchange operations. Therefore, a suitable provision has been made in the Scheme.

3.5 Uniform Standards: Demutualisation means segregation of membership into ownership right and trading right. The members would become shareholders of the demutualised exchange and may also become trading members. The trading rights of these shareholders who are also trading members should rank pari passu with the trading rights of any other trading member. After Corporatisation and Demutualisation, there will be only one class of trading members with similar rights and privileges. Any additional privileges given to existing members who become trading members would create value to the trading rights of such members. Therefore, uniform standards should be followed in terms of capital adequacy, deposits, fees, etc while admitting any person as a trading member or accepting his surrender. Though all members must have similar rights and privileges, keeping in view the submissions of BSE and for limited purpose of facilitating the smooth transition, the Scheme is modified to allow additional privileges to the existing members with the prior approval of SEBI.

3.6 BSE has provided that upon transfer of the duties and functions of the clearing house of BSE to the clearing corporation, all the members of BSE

1559 GI/05-7

should be admitted as clearing members of the clearing corporation, so as to enable the members to clear the trades in the same manner as is presently being done by them. It is felt that by virtue of such provision the existing trading members shall automatically become members of the clearing corporation without requiring them to qualify or comply with the prescribed requirements of the clearing corporation. The clearing corporation will have its own rules which will be approved by SEBI at the time of their recognition. The clearing members will have to separately qualify and comply with the rules of clearing corporation. Therefore, the provision has been suitably modified.

4.0 In view of the above, SEBI is satisfied that it would be in the interest of trade and also in the public interest to approve the Scheme with certain modifications as mentioned above in consonance with the object of the SC(R)A. Accordingly, the Scheme is hereby approved with the following conditions in terms of section 4 B (6) of the SC(R)A:

- a. **Voting Rights:** On and from Due Date, no Shareholder, who is a trading member, shall have voting rights (taken together with voting rights held by him and by persons acting in concert with him) exceeding 5% of the voting rights in Bombay Stock Exchange Limited.
- b. **Board Composition:** The Governing Board, on or after Due Date, shall be constituted in accordance with the provisions of the Articles of Association of Bombay Stock Exchange Limited in force from time to time, provided that -
 - (i) the representation of Trading Members does not exceed one-fourth of the total strength of the Governing Board, and the remaining directors are appointed in the manner as may be specified by SEBI from time to time, and
 - (ii) the Chief Executive, by whatever name called, is an ex-officio director.

Nothing contained in this condition shall preclude SEBI from nominating directors on the Governing Board as and when deemed fit.

4.1 The approved Scheme is enclosed as Annexure A.

5.0 Compliance and Monitoring

BSE and Bombay Stock Exchange Limited, as the case may be, shall ensure compliance with the Scheme within the time as specified in the Scheme and shall not do anything contrary to the provisions of Scheme and submit compliance report to SEBI in the manner as may be specified by SEBI.

6.0 SEBI reserves its rights to amend, alter or modify the Scheme in the interests of trade and public interest and in furtherance of the objectives of the corporatisation and demutualisation of the stock exchange.

7.0 The Scheme shall come into effect on the day of its publication in the Official Gazette.

[F. No. SEBI/MRD/40967/2005]

M. DAMODARAN, Chairman

Annexure-A

THE BSE (CORPORATISATION AND DEMUTUALISATION) SCHEME, 2005

1. Title and Commencement

1.1 This Scheme shall be called The BSE (Corporatisation and Demutualisation) Scheme, 2005 (hereinafter referred to as "this Scheme").

1.2 This Scheme shall have effect on its publication under sub-section (4) of Section 4B of

the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.

- 1.3** BSE shall be corporatised and demutualised in accordance with this Scheme on and from the appointed date as may be notified by the Securities and Exchange Board of India (SEBI) in respect of BSE under Section 4A of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.

Provided that the activities specified in the respective clauses of this Scheme shall be implemented as per the time schedule specified in those clauses.

2. Definitions

In this Scheme, unless the context otherwise requires, -

- 2.1** “**Bombay Stock Exchange Limited**” means the company incorporated in pursuance of clause 3 of this Scheme for the purpose of assisting, regulating or controlling the business of buying, selling or dealing in securities as a recognized stock exchange and to succeed BSE.
- 2.2** “**BSE**” means the stock exchange also known as “The Stock Exchange, Mumbai”, an unincorporated association of persons having its principal place of business at Phiroze Jeejeebhoy Towers, Dalal Street, Fort, Mumbai, which has been recognized by the Central Government under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 by and under notification No. 17/2/56-SE/EAD dated August 31, 1957, and whose name has been changed to BSE pursuant to the approval granted by SEBI by its letter No.SMD/SEAID-I/BSE/592/02, dated 10th January, 2002.
- 2.3** “**Due Date**” means the date, as may be determined by the Governing Board of BSE, which shall not be later than 3 months from the date of publication of the order under sub-section (7) of section 4B of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.
- 2.4** “**First Shareholders**” means the fifty Members, selected by the Governing Board of BSE, who will subscribe to the Memorandum of Association and Articles of Association of Bombay Stock Exchange Limited for the purpose of its incorporation.
- 2.5** “**Governing Board**” means the Board of Directors of Bombay Stock Exchange Limited.
- 2.6** “**Member**” means a person who is a member of BSE as per the register of members maintained by BSE under Rule 64 of the Rules, Bye-Laws and Regulations, 1957 and does not include a Limited Trading Member of BSE.
- 2.7** “**Record Date**” means the date, prior to the Due Date, fixed by the Governing Board of BSE for determining the Members who will be entitled to shares of Bombay Stock Exchange Limited pursuant to clause 5 of this Scheme.

- 6 "Rules, Bye-Laws and Regulations, 1957" means the Rules, Bye-laws and Regulations, 1957 of BSE on the day preceding the Due Date.
- 2.9 "Rules, Bye-Laws and Regulations of the Derivatives Segment" means the Rules, Bye-laws and Regulations, 2000 of the Derivatives Segment of BSE on the day preceding the Due Date.
- 2.10 "Rules, Bye-Laws and Regulations of Bombay Stock Exchange Limited" means the Memorandum of Association, the Articles of Association and the Rules, Bye-laws and Regulations of Bombay Stock Exchange Limited including the Rules, Bye-laws and Regulations of any segment of Bombay Stock Exchange Limited.
- 2.11 "Shareholder" means a person who holds any equity share(s) of Bombay Stock Exchange Limited.
- 2.12 "Trading Member" means a stock broker or trading member or clearing member of any segment of Bombay Stock Exchange Limited and registered with SEBI as such under the SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations 1992:
Provided that Bombay Stock Exchange Limited shall not have clearing members after the clearing function is transferred to a recognized clearing corporation under clause 13.1 of this Scheme.
- 2.13 Words and expressions used and not defined in this Scheme but defined in the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Depositories Act, 1996, the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, the Companies Act, 1956, the rules and regulations made under these Acts, the Rules, Bye-Laws and Regulations, 1957 or the Rules, Bye-laws and Regulations of the Derivatives Segment shall have the same meanings respectively assigned to them in the above mentioned acts, rules, bye-laws and regulations.
3. **Incorporation of Bombay Stock Exchange Limited**
- 3.1 The First Shareholders shall incorporate a public company limited by shares under section 12 of the Companies Act, 1956 in the name and style of "Bombay Stock Exchange Limited".
- 3.2 The First Shareholders shall each subscribe to and pay for 10,000 fully paid-up equity shares of the face value of Re.1/- each for cash at par of Bombay Stock Exchange Limited.
4. **Governing Board of Bombay Stock Exchange Limited**
- 4.1 The first Governing Board shall comprise of such of the members of the Governing Board of BSE on the date of incorporation of Bombay Stock Exchange Limited as are named as first directors in the Articles of Association of Bombay Stock Exchange Limited, subject to the condition that the representatives of the Members do not exceed one-fourth of the total strength of the Governing Board.
- 4.2 The first Governing Board may hold office till Due Date.

1559 GI/05-8

- 4.3** The Governing Board, on or after Due Date, shall be constituted in accordance with the provisions of the Articles of Association of Bombay Stock Exchange Limited in force from time to time, provided that -
- (i) the representation of Trading Members does not exceed one-fourth of the total strength of the Governing Board, and the remaining directors are appointed in the manner as may be specified by SEBI from time to time, and
 - (ii) the Chief Executive, by whatever name called, is an ex-officio director.
- 4.4** Notwithstanding anything contained in clause 4.3, SEBI may nominate directors on the Governing Board as and when deemed fit.

5. Allotment of Shares of Bombay Stock Exchange Limited

- 5.1** Every Member or his nominee, as the case may be, (other than the First Shareholders) as on the Record Date shall be entitled to 10,000 fully paid-up equity shares of the face value of Re.1/- each for cash at par of Bombay Stock Exchange Limited.
- 5.2** Every Member or his nominee, as the case may be, who has more than one membership card as on the Record Date, shall be entitled to additional 10,000 fully paid-up equity shares of face value of Re.1/- each for cash at par for every additional membership card held by him
- 5.3** Bombay Stock Exchange Limited shall allot the equity shares to the entitled Members or their nominees, as the case may be, by the Due Date.
Provided that the allotment to a Member suspended by BSE shall be held in abeyance till the suspension continues.
- 5.4** The invitation to subscribe to, and the offer, issue and allotment of equity shares of Bombay Stock Exchange Limited pursuant to this clause shall not be considered as being an invitation, offer, issue or allotment to the public.

6. Listing of Shares of Bombay Stock Exchange Limited.

Bombay Stock Exchange Limited may at any time list its securities on any recognized stock exchange.

7. Transfer to Bombay Stock Exchange Limited

Pursuant to this Scheme, on and from the Due Date,:

- 7.1** all assets, properties, undertakings, segments (including the Derivatives Segment), business, books, records, registers, funds, reserves, rights (including, in particular, intellectual property rights, leasehold rights, tenancy rights if any and all rights of nomination of former Members which have vested in BSE), powers, authorities, interests, privileges, exemptions, permissions, licenses, registrations and recognitions (including, in particular, the recognition of BSE as a recognized stock exchange under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956) of or belonging to or in the possession or control of BSE or to which BSE may be entitled, including those held by any trustees in trust for BSE or for the

Members or Limited Trading Members of BSE and Trading Members and/or Clearing Members of the Derivatives Segment of BSE or for the objects and purposes of BSE, and including those vested in or held by any committee of BSE, shall stand transferred to and shall vest in and shall be in the possession or control of and shall become the entitlement of Bombay Stock Exchange Limited, and Bombay Stock Exchange Limited shall have the same right, title and interest therein or thereto as BSE and such trustees or committees had immediately prior to the Due Date.

- 7.2** all obligations and liabilities of BSE shall stand transferred to and shall become obligations and liabilities of Bombay Stock Exchange Limited.
- 7.3** Bombay Stock Exchange Limited shall, in place and stead of BSE, become a party to, and shall be bound by and entitled to, all contracts, agreements and other instruments to which BSE is a party or by which BSE is bound or to which BSE is entitled, and the same may be enforced and acted upon by or against Bombay Stock Exchange Limited accordingly.
- 7.4** all notices, actions, claims and proceedings (including all legal, quasi legal, revenue, disciplinary and arbitration notices, actions and proceedings and including also disciplinary, suspension, default, delisting and other notices, actions and proceedings by BSE to or against the Members or Limited Trading Members of BSE or Trading Members and/or Clearing Members of the Derivatives Segment of BSE, any companies and others) of, by or against BSE shall not abate and shall be deemed to be made, instituted or continued by or against Bombay Stock Exchange Limited in place and stead of BSE.
- 7.5** the employees of BSE shall become the employees of Bombay Stock Exchange Limited in place and stead of BSE on the same terms and conditions as existing immediately prior to the Due Date.
- 7.6** notices and circulars issued and acts done by the Governing Board of BSE shall, unless and until such notices and circulars are modified or rescinded by the Governing Board, continue to subsist in relation to Bombay Stock Exchange Limited and shall be deemed to have been issued and done by the Governing Board.
- 7.7** all resolutions passed and acts done by the Governing Board of BSE or general body of Members shall, unless and until modified or rescinded by Governing Board or general body of Shareholders of Bombay Stock Exchange Limited, as the case may be, continue to subsist in relation to Bombay Stock Exchange Limited and shall be deemed to have been passed and done by the Governing Board or general body of Shareholders of Bombay Stock Exchange Limited, as the case may be.

1559 41/05-9

8. Trading Rights

- 8.1** A Member or a Limited Trading Member of BSE, who is registered as a stock broker on the day preceding the Due Date shall become a Trading Member of the Cash Segment of Bombay Stock Exchange Limited on the Due Date;
- 8.2** A Member who is not registered as a stock broker on the day preceding the Due Date shall become a Trading Member of the Cash Segment of Bombay Stock Exchange Limited on being registered as a stock broker under the SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992 within 3 months from the Due date.
- 8.3** A Trading Member and/or a Clearing Member of the Derivatives Segment of BSE on the day preceding the Due Date shall become a Trading Member and/or a Clearing Member of the Derivatives Segment of Bombay Stock Exchange Limited on the Due date.
- 8.4** After the Due Date, a person desirous of becoming a Trading Member of any segment of Bombay Stock Exchange Limited shall be admitted if he complies with requirements and brings in specified fees and deposits as specified in the Rules, Bye-laws and Regulations of Bombay Stock Exchange Limited.
- 8.5** Bombay Stock Exchange Limited shall, for the purpose of admitting any person as a Trading Member of a segment, follow uniform standards in terms of capital adequacy, deposits, fees etc. irrespective of mode of acquisition of trading right by that person:
Provided that different standards may be followed for admission of a person as a Trading Member who has acquired trading right by way of transmission;
Provided further that different standards may be followed for admission of Trading Members in different segments.
- 8.6** A Trading Member may surrender his membership of any segment to Bombay Stock Exchange Limited in the manner specified in the Rules, Bye-laws and Regulations of Bombay Stock Exchange Limited.
- 8.7** Trading Members of the Cash Segment of Bombay Stock Exchange Limited and the Clearing Members of the Derivatives Segment of Bombay Stock Exchange Limited shall clear and settle trades respectively till the clearing and settlement function is transferred to a recognized clearing corporation under clause 13.1 of this Scheme.
- 8.8** Irrespective of the date or mode of acquisition of trading right, the Trading Members in a segment of Bombay Stock Exchange Limited shall have uniform rights and privileges.
Provided that Bombay Stock Exchange Limited may, with the prior approval of SEBI, grant additional privileges to those Trading Members who were Members on the day preceding the Due Date.
- 8.9** Trading Members of Bombay Stock Exchange Limited on the Due Date shall continue to have the same rights and privileges in respect of their clients and constituents and other members arising out of or under any act, omission or contract or law, notification, order, direction, etc. as had accrued to them while being Members or Limited Trading Members of BSE or Trading Members and or Clearing Member of Derivative Segment of BSE on or before the Due Date.

- 8.10** Trading Members of Bombay Stock Exchange Limited shall be bound by all obligations and liabilities towards their clients and constituents, SEBI, BSE and other authorities or other persons arising out of or under any act, omission or contract or law, notification, order, direction, etc. while being Members or Limited Trading Members of BSE or Trading Members and or Clearing Members of Derivative Segment of BSE on or before the Due Date
- 9. Demutualisation**
- 9.1** A Trading Member may or may not be a Shareholder.
- 9.2** A Shareholder may or may not be a Trading Member.
- 10. Voting Rights**
- 10.1** Bombay Stock Exchange Limited shall ensure that atleast 51% of its equity shares are held by public other than shareholders having trading rights in the manner and within the period prescribed in sub-section (8) of Section 4B of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.
- 10.2** On and from the Appointed Date, Bombay Stock Exchange Limited shall ensure that public other than shareholders having trading rights continuously hold at least 51% of equity shares.
- 10.3** On and from Due Date, no Shareholder, who is a Trading Member, shall have voting rights (taken together with voting rights held by him and by persons acting in concert with him) exceeding 5% of the voting rights in Bombay Stock Exchange Limited.
- 11. Dissolution of BSE**
- On and from the Due Date:
- (i) Bombay Stock Exchange Limited shall be entitled to, and shall, commence business and operations as the successor of BSE; and
- (ii) BSE shall stand dissolved.
- 12. Rules, Bye-Laws and Regulations of Bombay Stock Exchange Limited**
- 12.1** The Rules, Bye-laws and Regulations, 1957 and the Rules, Bye-laws and Regulations of the Derivatives Segment of BSE on the day preceding the Due Date shall, unless contrary to or inconsistent with or excluded by this Scheme, apply to Bombay Stock Exchange Limited on and from the Due Date.
- 12.2** Bombay Stock Exchange Limited shall incorporate the provisions of this Scheme appropriately in the "Rules, Bye-laws and Regulations of Bombay Stock Exchange Limited" on or before the Due Date.
- 12.3** The "Rules, Bye-laws and Regulations of Bombay Stock Exchange Limited" may be amended after the Due Date in accordance with the applicable laws, provided that no such amendment is inconsistent with any provision of this Scheme.

13. Clearing Corporation of Bombay Stock Exchange Limited

13.1 Bombay Stock Exchange Limited shall, within one year of the Due Date, subject to the prior approval of SEBI, transfer the duties and functions of the clearing house of Bombay Stock Exchange Limited to a clearing corporation, being a company incorporated under the Companies Act, 1956 and recognized by SEBI as a clearing corporation under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.

13.2 Until the duties and functions of the clearing house are transferred as provided in clause 13.1, the clearing and settlement functions in relation to trading on Bombay Stock Exchange Limited shall be carried out by the clearing and settlement mechanism as used by BSE or in such other manner as the Governing Board may determine.

14. Utilisation of Assets and Reserves

14.1 Bombay Stock Exchange Limited shall not do anything contrary to the provisions of section 4B (3) of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956.

14.2 Without prejudice to the generality of the provisions in 14.1, Bombay Stock Exchange Limited shall not use the assets and reserves (other than current assets) of BSE transferred to it under clause 7.1 of this Scheme or the proceeds from disposal of such assets or the proceeds from disposal of successive species of assets acquired from the proceeds of disposal of such assets for any purpose other than the business operations of the stock exchange.

15. Compliance with the scheme

15.1 BSE and Bombay Stock Exchange Limited, as the case may be, shall ensure compliance with the provisions of this Scheme at all times and shall not do anything contrary to the provisions of this Scheme.

15.2 Without prejudice to the generality of the provisions in 15.1, BSE and Bombay Stock Exchange Limited, as the case may be, shall continuously comply with the provisions in Clauses 4.3, 8.4, 8.5, 8.6, 8.8, 10.2, 10.3, and 14.

15.3 BSE and Bombay Stock Exchange Limited, as the case may be, shall report compliance with the provisions of this Scheme in such manner as may be required by SEBI from time to time.

16. Power to Relax Provisions of this Scheme

If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Scheme, SEBI may, at the written request of BSE or Bombay Stock Exchange Limited, as the case may be, relax any of the provisions of this Scheme.